Direct Democracy in Switzerland

स्वीटजरलैण्ड में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र की व्यवस्था विश्व की एक अनोखी व्यवस्था मानी जाती है। Switzerland और Democracy को पर्यायवाची समझा जाता है। Bryce ने कहा भी है," Among all the modern democracies which are true democracies, Switzerland has the highest claim to the studied.

स्वीटजरलैण्ड में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र की भावना मुख्य रूप से तीन उपकरणों द्वारा प्रकट की जाती है :- ① ~~Landsgemeinde~~ Landsgemeinde
② Initiative
③ Referendum

स्वीटजरलैण्ड के एक पूर्ण कैंटन और चार अर्द्ध-कैंटनों का कोई विधान मंडल नहीं है और विधान मंडल का कार्य प्रारंभिक सभा जिसे Landsgemeinde कहा जाता है, द्वारा सम्पादित होता है। इन कैंटनों में आवश्यकतानुसार नागरिकों की वर्ष में एक बार या आवश्यकतानुसार प्रारंभिक सभा होती है जिसमें एक से अधिक बार प्रारंभिक सभा होती है जिसमें 20 वर्ष या इससे अधिक आयु के प्रत्येक पुरुष और स्त्री को वाद-विवाद में भाग लेने और मत देने का अधिकार होता है। इस सभा में अगले वर्ष तक के लिए प्रशासनिक कार्य चलाने हेतु एक कार्यकारणी परिषद का चुनाव किया जाता है, जिसके पश्चात को Landman कहा जाता है। इस सभा के सामने गत वर्ष के प्रशासनिक कार्य की Report और आगामी वर्ष के लिए बजट प्रस्तुत करती है और सरकारी अधिकारियों तथा कर्मचारियों के प्रतिनिधि भी चुनती है। इस सभा के द्वारा वे सभी कार्य किये जाते हैं, जो अन्य

कैण्टनों में विधानमंडल करते है। यह व्यवस्था प्रजातंत्र का विशुद्धतम एवं प्राचीनतम रूप है। इसमे नागरिक प्रत्यक्ष रूप से शासन का संचालन करते है।

इसके अलावे उपारम्भ (Initiative) तथा जनमत संग्रह (Refrendum) भी ढाल और तलवार की तरह स्वीस प्रजातंत्र के दो रक्षक है।

स्वीटजरलैण्ड के संघीय संविधान मे जनमत संग्रह की व्यवस्था की गई है। संविधान मे संशोधन सम्बन्धी विधेयों पर जनमत संग्रह अनिवार्य है। दूसरी ओर संघीय सभा द्वारा पारित ~~विधेयक~~ साधारण कानूनों पर वैकल्पिक जनमत संग्रह की व्यवस्था की गई है। स्वीटजरलैण्ड मे 10 कैंटनो तथा 1 अर्द्धकैण्टन मे अनिवार्य तथा 8 कैण्टनों तथा 1 अर्द्धकैण्टनों मे वैकल्पिक जनमत संग्रह की व्यवस्था है।

आरम्भण की व्यवस्था संविधान संशोधन सम्बन्धी विधेयकों के विषय मे ही की गई है, साधारण विधायी प्रस्तावों पर नही। संविधान मे दो प्रकार के संशोधन मे आरम्भण का प्रयोग 50 हजार मतदाता द्वारा किया जा सकता है छः महिनो के अन्तर्गत 50 हजार नागरिकों के हस्ताक्षर से युक्त प्रस्तावों पर आरम्भण किये जा सकते है। यदि पूर्ण संशोधन के लिए प्रस्तुत आरम्भण को स्वीटजरलैण्ड की मतदाताओं का बहुमत स्वीकार कर लेता है तो संघीय सभा विघटित हो जाती है प्रस्तावित संशोधन जनमत संग्रह के लिए प्रस्तुत किया जाता है। आंशिक संशोधन के लिए दो प्रकार के आरम्भण का प्रयोग किया जाता है- सविन्यासित (Formulated) और अविन्यासित (Unformulated)- जब आंशिक संशोधन के लिए अविन्यासित रूप मे आरम्भण का प्रयोग किया जाता है और

Scanned with CamScanner

यदि व्यवस्थापिका उनसे सहमत होती है तो वह सुझावों के अनुसार संशोधित विधेयक तैयार कर उस पर जनता तथा कैंटनों का मत लेती है। यदि व्यवस्थापिका उन सुझावों से सहमत नहीं होती है तो उन सुझावों पर लोकनिर्णय लिया जाता है।

स्पष्ट है कि उपर्युक्त उपकरणों का व्यवहार स्वीटजरलैण्ड में अनेक बार हुए हैं। जनमत संग्रह तथा आरम्भण पर विचार करने से इसके गुण स्पष्ट हो जाते हैं। इससे जनता को सार्वजनिक जीवन में भाग लेने की प्रेरणा और राजनीतिक शिक्षा प्राप्त होती है। जनता का प्रतिनिधियों से सीधा ~~सम्पर्क~~ सम्बन्ध स्थापित होता है। अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र में ऐसे सम्पर्क का अभाव होता है। आरम्भण और लोकनिर्णय विधानमंडल की बुराइयों से भी जनता की रक्षा करते हैं।

—— स्पष्ट है कि प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के ये उपकरण जिस स्वीटजरलैण्ड की उस कील की तरह है सम्पूर्ण शासन व्यवस्था आधारित है।

जो भी हो, स्वीस संविधान ~~की~~ कुछ आलोचकों ने इसकी कड़ी आलोचना की है और प्रत्यक्ष प्रजातंत्र की व्यवस्था पर संदेह ~~जारी~~ जाहिर किया है। आलोचकों का मानना है कि इससे संसद के सम्मान पर आघात पहुँचता है और वह एक मात्र consultative committee रह जाती है। इसका सीधा नुकसान यह होता है कि व्यवस्थापिका अनुत्तरदायी हो जाती है तथा जनता में भी चुनाव सम्बन्धी उकताहट का जन्म होता है। इससे समय और धन का अपव्यय भी देखने को मिलता है, चूंकि बार-बार मतदान की आवश्यकता पड़ती है।

जो भी हो, स्वीस जनता की शिक्षा, कम जनसंख्या, आर्थिक असमानता, देश प्रेम, स्थानीय स्वायत्त [illegible] व्यवस्था आदि प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के मार्ग को प्रशस्त करती रही है।

Scanned with CamScanner